RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार 19 जून 2023 वर्ष 05 अंक 57 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

‘हम नहीं हैं नामर्दों की औलाद’....

बीजेपी पर भड़के उद्धव ठाकरे, बोले- मोदी जी मणिपुर जाकर दिखाओ...

महाराष्ट्रः शिवसेना के नेता उद्धव ठाकरे ने रविवार (18 जून) को मुंबई में एक जनसभा के दौरान केंद्र सरकार पर जोरदार प्रहार किया. उन्होंने इस दौरान शिंदे गुट पर भी निशाना साधा. महाराष्ट्र के पूर्व सीएम ने कहा कि आप सभी के उत्साह को देखकर मुझे बहुत खुशी मिली. मेरे पास कुछ भी नहीं है, न पद न चिह्न फिर भी आप सब मेरे साथ

हैं. जो जा रहे हैं उन्हें जाने दो. कितने भी अफजल खान आने दो कोई फर्क नहीं पड़ता.

केंद्र पर हमला करते हुए ठाकरे ने कहा कि मुझे उनसे बस यही कहना है कि हम नामर्दों की औलाद नहीं हैं. तुम्हें ईडी-सीबीआई की ताकत दिखानी है तो मणिपुर में जाकर दिखाओ. उन्होंने कहा कि मैंने सुना मोदी जी अमेरिका जा रहे हैं. अरे आप मणिपुर जा कर दिखाओ. अमेरिका जा सकते हैं, लेकिन मणिपुर नहीं जाएंगे. इस रैली में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने कहा कि अगर समाज को आगे बढ़ना है तो उसे शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए. अपने काम की वजह से उद्धव साहब का नाम देश के टॉप-3 मुख्यमंत्रियों की लिस्ट में था.

शिंदे सरकार पर साधा निशाना

आदित्य ठाकरे ने शिंदे सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हमने जनता के हित के लिए जो काम शुरू किए थे, वे सब इस देशद्रोही सरकार ने बंद कर दिए हैं. मैं चुनौती देता हूं, मुंबई नगर निगम से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने वाली देश या दुनिया में कोई दूसरी व्यवस्था नहीं है. मुंबई नगर निगम की वित्तीय स्थिति को दुरुस्त करते हुए हमने मुंबई नगर निगम की जमा राशि को 650 करोड़ रुपये के घाटे से बढ़ाकर 92 हजार करोड़ रुपये कर दिया है.

संजय राउत ने दी चुनौती...

इस रैली में शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि ये फसल शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे की ओर से बोया गया असली बीज है. ये वो चिंगारी हैं जो उन्होंने महाराष्ट्र में बोई है. दम है तो मुंबई समेत 14 नगर निगमों के चुनाव जीतकर दिखाओ, फिर मुंबई पर कब्जा करने की बात करो. सुप्रीम कोर्ट ने एक लाइन के फैसले में इस सरकार को बर्खास्त कर दिया है.

मुख्यमंत्री शिंदे के आवास के सामने ऑटोरिक्शा चालक ने की आत्महत्या करने की कोशिश

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के घर के सामने 42 वर्षीय एक ऑटोरिक्शा चालक ने शनिवार सुबह आत्महत्या की कोशिश की, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसकी कोशिश को नाकाम कर दिया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि विनय पांडे नाम के ऑटो रिक्शा चालक ने खुद पर मिट्टी का तेल छिड़ककर जब आग लगाने की कोशिश की, तभी पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर उसे बचा लिया। वागले एस्टेट थाने के एक अधिकारी ने कहा कि ऑटोरिक्शा चालक के नाम पर एक मामला दर्ज है, जिसकी वजह से उसे लाइसेंस नहीं दिया जा रहा है, इस बात से वह निराश था। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें चालक चिल्लाते हुए नजर आ रहा है। पुलिस ने बताया कि घटना के वक्त मुख्यमंत्री घर पर मौजूद नहीं थे।

ठाणे में शिवसेना ठाकरे गुट की पदाधिकारी अयोध्या पॉल पर महिलाओं ने फेंकी स्याही, मारपीट की

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे शहर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के एक समूह ने शिवसेना (वइळ) की एक महिला पदाधिकारी पर कथित तौर पर स्याही फेंकी और उनके साथ मारपीट की। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह घटना कलवा में शुक्रवार रात को हुई। घटना की पीड़िता अयोध्या पॉल, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना की सोशल मीडिया समन्वयक हैं। पॉल ने कलवा पुलिस थाने में शिकायत दी है। हालांकि, पुलिस ने कहा कि इस संबंध में अभी तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। पॉल ने शनिवार सुबह पत्रकारों से कहा कि उन्हें हाल ही में मनाई गई अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने कहा, ह्यह्यकार्यक्रम के आयोजकों ने सभी प्रोटोकॉल का पालन किया था और मुझे पहले भेजे गए बैनर में शिवसेना (यूबीटी) के नेताओं की तस्वीरें थीं। लेकिन, जब मैं कार्यक्रम स्थल पर पहुंची, तो बैनर में केवल स्थानीय पार्षद और मेरी तस्वीरें थीं।

पॉल ने कहा कि पहले आयोजकों द्वारा उन्हें बताया गया था कि सुषमा अंधारे और स्थानीय सांसद राजन विचारे सहित ठाकरे समूह के अन्य नेता कार्यक्रम में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इनमें से कोई नेता कार्यक्रम में मौजूद नहीं थे। पॉल के मुताबिक, जब उन्होंने इस बारे में आयोजकों से पूछा, तो स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया।

पुणे में बड़ा हादसा, भीषण आग में 20 गोदाम जलकर राख

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के पुणे में एक बड़ा हादसा सामने आया है। दरअसल यहां आग के चलते 20 गोदाम जलकर खाक हो गए हैं। इस आग के चलते भारी नुकसान हुआ है। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई चोटिल नहीं हुआ है। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चला है। घटना की जांच की जा रही है।

क्या है मामला

घटना पुणे के गंगाधाम चौक इलाके की है। जहां रविवार सुबह करीब नौ बजे अचानक आग भड़क गई। आग लगते ही इसकी सूचना अग्निशमन विभाग को दी गई। जहां आग लगी, वहां बिस्किट, सीमेंट, मोल्डिंग और इलेक्ट्रिकल आइटम, फर्नीचर और सजावटी सामान के गोदाम थे, जो आग की चपेट में आ गए। सभी गोदाम आग के चलते तबाह हो गए और लोगों को भारी नुकसान हुआ है। गोदामों में आग लगने के बाद यह भड़कती चली गई और मौके पर मौजूद अग्निशमन विभाग की 22 गाड़ियां भी आग पर समय रहते काबू नहीं पा सकीं। कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस इसकी जांच कर रही है।

संपादकीय / लेख

विश्वास बहाली जरूरी

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

मणिपुर में एक माह पहले दो समुदायों के बीच शुरू हुई हिंसा की घटनाओं का पटाक्षेप न हो पाना बताता है कि राज्य में विवाद व अविश्वास की जड़ें गहरी हैं। वहीं अलग-अलग नस्ली समूहों के बीच शांति स्थापना के मकसद से बनायी गई शांति समिति की गठन प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल समस्या की जटिलता की ओर इशारा कर रहे हैं। जाहिर है कि कूकी समुदाय के लोगों का भरोसा जीते बिना शांति के प्रयास सिरे चढ़ाने मुश्किल ही होंगे। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इस गैर जरूरी विवाद में अब तक सौ से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और पचास हजार के करीब लोग बेघर हो गये हैं। नीति-नियंताओं को ध्यान रखना चाहिए कि यह सीमावर्ती राज्य कई दृष्टि से बेहद संवेदनशील है। यहां के टकराव की तपिश निकटवर्ती राज्यों में भी फैल सकती है। चिंता की बात यह है कि कूकी समुदाय के लोग शांति समिति के पैनल में मुख्यमंत्री बीरेन सिंह व उनके समर्थकों की उपस्थिति का विरोध कर रहे हैं। उनका तर्क है कि कूकी समुदाय के खिलाफ अभियान चलाने वाले संगठन के लोग भी शांति समिति में शामिल किये गये हैं। वहीं कूकी समुदाय के कुछ लोगों का कहना है कि उनकी सहमति के बिना उन्हें शांति समिति में शामिल किया गया है। बहरहाल, कुल मिलाकर मणिपुर का यह संघर्ष राष्ट्र के संघीय ढांचे की भावना के विपरीत दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जायेगा। केंद्र सरकार की भी कोशिश होनी चाहिए कि राज्यपाल के नेतृत्व वाली समिति के 51 सदस्यों को लेकर सभी पक्षों की सहमति बने। वहीं कूकी समुदाय के लोगों का कहना है कि केंद्र सरकार हस्तक्षेप करके वार्ता के लिये अनुकूल वातावरण बनाने में मदद करे। कूकी समुदाय के विरोध के मूल में एक आरोप यह भी है कि उनके खिलाफ अभियान चलाने वाले एक नागरिक समूह के सदस्यों को शांति समिति में शामिल किया गया है।

दरअसल, मणिपुर में हुए हालिया संघर्ष के मूल में मैतेई समुदाय को एसटी का दर्जा दिया जाना बताया जाता है। इस निर्णय के विरोध स्वरूप उपजे विवाद के चलते ही राज्य हिंसा की चपेट में आ गया। दरअसल, करीब 53 फीसदी आबादी वाले मैतेई समुदाय के पास राज्य में महज दस फीसदी जमीन है जबकि चालीस फीसदी आबादी वाले कूकी समुदाय के पास 90 फीसदी जमीन है। यह असंतुलन अकसर दोनों समुदायों में टकराव का कारण बनता रहा है। यह पहले से ही कयास लगाये जा रहे थे कि मैतेई समुदाय को एसटी का दर्जा दिये जाने के बाद राज्य में अशांति का माहौल बन सकता है। कालांतर ऐसा हुआ भी। सतही तौर पर राज्य में हिंसक वारदातें थमी नजर आती हैं लेकिन इस विवाद का पटाक्षेप जल्दी हो पायेगा, ऐसे आसार नजर नहीं आते। आबादी और जमीन के असंतुलन का विवाद तुरत-फुरत थमता नजर नहीं आता है क्योंकि मौजूदा परिस्थितियों में इस अनुपात में बड़ा परिवर्तन संभव भी नहीं है। केंद्रीय गृहमंत्री के हस्तक्षेप व सुरक्षा बलों की संख्या बढ़ाने के बावजूद सतही शांति तो नजर आती है। सवाल है कि यह स्थिति कब तक कायम रह सकती है। वह भी तब जब मैतेई समुदाय आरक्षण को अपने जीवन के लिये जरूरी बता रहा है तो आदिवासी समुदाय इसे क्षेत्र में असंतुलन पैदा करने वाला बता रहा है। कूकी समुदाय इसे अपने अस्तित्व के लिये खतरा बताता है। जाहिर है इस जटिल समस्या का समाधान दोनों पक्षों के बीच विश्वास बढ़ाकर ही किया जा सकता है। यह विश्वास दोनों पक्षों के बीच बातचीत बनाये रखने से ही बढ़ेगा। यह कार्य सुरक्षा बलों की तैनाती से भी संभव नहीं होगा क्योंकि क्षेत्र में चरमपंथियों की सक्रियता का इतिहास भी रहा है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

मुंबई में बस स्टॉप का नाम रखा गया बांग्लादेश

आखिर क्या है इस नए नाम को रखने की वजह?

मुंबई : नाम बदलने की परपंरा तो भारत में काफी पुरानी है। शहरों से लेकर जगहों और सड़को के नाम बदलना कोई नहीं बात नहीं है। ऐसा ही एक अजीबो-गरीब मामलामहाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से सामने आया है। मुंबई में एक बस स्टॉप का नाम बदला गया है। बस स्टॉप का बदलकर जो नाम रखा गया है, वो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। दरअसल, मुंबई के एक बस स्टॉप का नाम 'बांग्लादेश' रख दिया गया है। ये नाम किसी ने शरारत के कारण नहीं रखा है बल्कि बाकायदा परिवहन विभाग की तरफ से इस नाम का नया बोर्ड लगाया गया है। मुंबई के मीरा भायंदर इलाके में 'बांग्लादेश' बस स्टॉप पड़ता है। ये नाम सुनकर ज्यादातर हैरान हैं कि आखिर मुंबई के किसी बस स्टॉप का नाम ऐसा क्यों रखा गया। दरअसल, मुंबई के एक बस स्टॉप का नाम 'बांग्लादेश' रख दिया गया है। ये नाम किसी ने शरारत के कारण नहीं रखा है बल्कि बाकायदा परिवहन विभाग की तरफ से इस नाम का नया बोर्ड लगाया गया है।

मुंबई के मीरा भायंदर इलाके में 'बांग्लादेश' बस स्टॉप पड़ता है। ये नाम सुनकर ज्यादातर हैरान हैं कि आखिर मुंबई के किसी बस स्टॉप का नाम ऐसा क्यों रखा गया। अचानक बस स्टॉप का नाम बदला जाना वहीं रहने वाले कुछ लोगों बिल्कुल रास नहीं आया है। कुछ लोग तो बस स्टॉप के बदले नाम का विरोध भी कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि इस नए नाम को कतई जायज तो नहीं ठहराया जा सकता है। उनका यह भी कहना है कि इलाके के नए पार्षद इस तरह से नाम बदले जाने के लिए जिम्मेदार हैं और उन्हीं के कहने पर ये काम किया गया है। इस इलाके में मछली खूब पकड़ी जाती है। यही वजह है कि यहां दशकों से मछुआरे बसे हुए हैं। कालांतर में समुद्री यात्रा करने वाले पश्चिम बंगाल से आए मजदूर और मछुआए इस इलाके में बस गए और इसे बांग्लादेशी बस्ती कहा जाने लगा। इसी को देखते हुए यहां के बस स्टॉप का नाम बदलकर अब बांग्लादेश रख दिया गया है, जो सुर्खियों में बनी हुआ है।

मुंबई के ट्राइडेंट होटल में लगी आग...

स्टाफ ने ही पा लिया काबू, कोई हताहत नहीं

मुंबई : महाराष्ट्र के मुंबई में स्थित ट्राइडेंट होटल में रविवार सुबह आग लगने की बात सामने आई है। बताया गया है कि यह आग होटल के टॉप फ्लोर में लगी थी। हालांकि, इस पर कुछ ही देर में काबू पा लिया गया। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि होटल के स्टाफ ने खुद ही आग पर काबू पा लिया और इसकी सूचना दमकल विभाग को नहीं दी। बताया गया है कि 34 मंजिला इस आलीशान होटल की सबसे ऊपरी मंजिल से धुआं निकलते देख एक पैदल यात्री ने शोर मचाया था। हालांकि, घटना की शिकायत मिलते ही होटल पहुंचे अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि होटल में आग नहीं लगी थी, बल्कि तकनीकी खराबी के कारण छत पर लगी चिमनी से धुआं निकल रहा था।

अधिकारी के मुताबिक, एक व्यक्ति ने नरीमन प्वाइंट स्थित ट्राइडेंट होटल से धुआं निकलता देखा और सुबह करीब आठ बजकर 20 मिनट पर अग्निशमन विभाग को इसकी सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की एक गाड़ी और एक जंबो टैंकर को मौके पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचने के बाद पाया कि होटल में रखे ट्यूब बॉयलर में तकनीकी खराबी के कारण इमारत की छत पर लगी चिमनी से धुआं निकल रहा था। अधिकारी ने बताया कि अग्निशमन दल ने होटल के अधिकारियों से पूछताछ की और परिसर का पूरी तरह से निरीक्षण किया, लेकिन वहां आग नहीं लगी थी। उन्होंने बताया कि राहगीर द्वारा अच्छी मंशा से लेकिन गलत संदेश भेज दिया गया।

ठाणे के पास खाली लोकल ट्रेन पटरी से उतरी, कोई हताहत नहीं... रेल सेवाएं अवरुद्ध

मुंबई : महाराष्ट्र के ठाणे जिले के अंबरनाथ रेलवे यार्ड में रविवार सुबह एक खाली लोकल ट्रेन पटरी से उतर गई। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन मार्ग पर रेल सेवाएं जरूर प्रभावित हुईं।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मध्य रेलवे के एक अधिकारी के अनुसार, सुबह आठ बजकर 25 मिनट पर मुंबई से करीब 50 किलोमीटर दूर खाली ट्रेन के डिब्बे की एक ट्रॉली का पहिया पटरी से उतर गया। अधिकारी ने बताया कि रेल सेवाएं प्रभावित हुईं, क्योंकि पटरी से उतरी बोगी के कारण कल्याण से कर्जत स्टेशन तक मुख्य लाइन बाधित हो गई। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. शिवराज मानसपुरे ने बताया कि यह एक खाली ईएमयू (इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) 'रेक था और इसमें कोई यात्री सवार नहीं था, जिस कारण हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। मध्य रेलवे ने एक बयान में कहा, ''खाली 'रेक को फिर से पटरी पर लाने और मार्ग पर सेवाएं बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं।'' मध्य रेलवे द्वारा संचालित लोकल ट्रेन सेवा से हर दिन करीब 40 लाख यात्री यात्रा करते हैं।

नालासोपारा स्टेशन पर FRS सिस्टम कर रहा कमाल, लगातार कम हो रहा क्राइम का ग्राफ...

मुंबई: उपनगरीय इलाके में सबसे अधिक भीड़भाड़ वाला रेलवे स्टेशन नालासोपारा है। यहां कभी आपराधिक घटनाएं चरम थीं, लेकिन पिछले डेढ़ साल से अपराध का ग्राफ कम हुआ है। वजह, यहां की हाईटेक व्यवस्था है, जिसे खुद आरपीएफ के सीनियर पीआई राजीव सिंह सालरिया मॉनिटर करते हैं। सालरिया कहते हैं कि यहां छोटे स्तर का क्राइम काफी हो रहा था। इसकी शिकायतें काफी मिलती थीं। इसको खत्म करने के लिए रेलवे सुरक्षा से संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में एक स्टडी की गई। मोड्स ऑपरेंडी को समझने के बाद तकनीक की मदद ली गई और फिर उसके बाद केसों को दर्ज करने और उसे सॉल्व करने पर जोर दिया गया, जिसका परिणाम आज सामने है।

वेस्टर्न रेलवे के सीनियर डीएससी संतोष राठौड़ ने बताया कि एफआरएस के जरिए आरोपियों का चेहरा, चाल-चलन, हाव-भाव, बॉडी लैंग्वेज आदि का पता लगाते हैं। इसके जरिए बारीकी से मॉनिटर करते हैं और जैसे ही वह संदिग्ध कैच होता है,

पहले से अलर्ट टीम उसे पकड़ लेती है। इतना ही नहीं, और भी स्टेशन परिसर में आरोपी भागकर न जा पाए या छिपने की कोशिश नहीं करे। इसके लिए 4-5 स्टेशनों को मिलाकर एक पॉइंट बनाते हैं। इस पॉइंट के जरिए पता करते हैं कि संदिग्ध व्यक्ति का मूवमेंट किस स्टेशन परिसर में है। जाल बिछाकर उसे वहां से पकड़ लिया जाता है।

हाईटेक होने का फायदा

नालासोपारा आरपीएफ के मुताबिक, स्टेशन पर हाईटेक व्यवस्था के जरिए आरोपियों को गिरफ्तार किया जाता है। इसके लिए पूरे कैंपस में एक सौ से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। यह पहली बार है, जब इतनी बड़ी संख्या में यहां सीसीटीवी कैमरे को लगाए गए हैं। इसमें 16 कैमरे ऋ्रस्र तकनीक आधारित हैं। इन्हीं की मदद से आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने से पहले ही पकड़ लिया जाता है। राठौड़ के मुताबिक, एक बार कोई भी व्यक्ति इन कैमरों में कैप्चर हो जाता है, तो दूसरी बार जब वह क्राइम करेगा मॉनिटर रूम में उसका इंडिकेशन मिलने लगता है। पुलिस टीम आरोपी को गिरफ्तार कर लेती है। आईजी सह पीसीएससी, वेस्टर्न रेलवे, मुंबई के पीसी सिन्हा बताते हैं कि स्टेशन पर चप्पे-चप्पे की गतिविधियां हाईटेक कैमरे से रिकॉर्ड होती हैं। लोगों की गतिविधियों को बड़े-बड़े स्क्रीन पर सीसीटीवी कैमरे की मदद से चौबीसों घंटे 2 से 3 पुलिसकर्मी निगरानी करते हैं। एक खास टीम नालासोपारा स्टेशन के पूरे परिसर में सिविल ड्रेस में रहती है।

महाराष्ट्र में ऐसे भी लोग, जो चुराने की कोशिश करते हैं दूसरों के पिता

आदित्य ठाकरे ने क्यों कही ये बात?

मुंबई : वर्ल्ड फादर्स डे के मौके पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे रविवार (18 जून) को अपने विरोधियों पर जमकर बरसे. उन्होंने किसी का नाम नहीं लेते हुए कहा कि 'महाराष्ट्र में ऐसे लोग हैं जो दूसरे लोगों के पिता को चुराने की कोशिश करते हैं.' आदित्य ठाकरे एक सभा को संबोधित कर रहे थे, इस दौरान उन्होंने शिंदे ग्रुप पर हमला करते हुए कहा कि हमने मुंबई में जो काम किया है, उसपर मैं जो प्रेजेंटेशन दे रहा हूं. शिंदे ग्रुप को भी इसी तरह की प्रेजेंटेशन देनी चाहिए कि उन्होंने मुंबई में क्या किया है?

गर्व की बात है कि महिलाएं अधिक पार्षद बन रही हैं- आदित्य

आदित्य ठाकरे ने आगे कहा कि सरकार गिरने के बाद भी लोग कहते हैं कि उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं. विदेश में भी पूछ रहे थे कि आपकी सरकार कब आएगी? उन्हें भी अपनी सरकार चाहिए, सबको अपनी सरकार चाहिए. उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि महिलाएं अधिक पार्षद बन गई हैं.

'मुझे पेंगुइन-पेंगुइन कहकर ट्रोल किया जाता'

आदित्य ठाकरे ने खुद के ऊपर किए जाने वाले हमलों पर भी खुलकर जवाब दिया. उन्होंने कहा, ''मुझे पेंगुइन-पेंगुइन कहकर ट्रोल किया जाता है, लेकिन पेंगुइन की तरह कौन चलता है? मुझें नहीं पता, लेकिन मुझे ट्रोलिंग बहुत पसंद है. ठाकरे ने उशारों में विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि शेर देखने के लिए लोग 'मातोश्री' आते हैं और अन्य प्राणी देखने के लिए मुंबई के चिड़ियाघर जाते हैं. उन्होंने आगे कहा, ''अगर हम शिक्षा के स्तर को बदलना चाहते हैं तो हमें कॉमन क्वालिटी एजुकेशन लाना होगा. टैब शिक्षा आपके लिए लाई गई है. नोटबुक का बोझ कम किया, हमने 40 हजार छात्रों को टैब दिए और वे उससे काफी कुछ सीख गए.

केईएम हॉस्पिटल में लंबी तारीखें, सुविधाएं कम, समस्याएं ज्यादा

मुंबई, मनपा द्वारा संचालित प्रमुख अस्पतालों में से एक केईएम में मुंबई और महाराष्ट्र समेत देश के विभिन्न हिस्सों से आनेवाले मरीजों और उनके परिजनों के चलते हमेशा भीड़ लगी रहती है। लेकिन यह अस्पताल लगातार जरूरी सुविधाओं की मार झेल रहा है। यहां समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। इलाज के लिए आनेवाले मरीजों को दवाओं की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है, जिस कारण उन्हें दवाएं महंगी कीमत पर बाहर मेडिकल स्टोरों से खरीदना पड़ रहा है। दूसरी तरफ एक्सरे, सोनोग्राफी, सीटी स्कैन और एमआरआई कराने के लिए लंबी तारीखें दी जा रही हैं। इसका सीधा असर मरीजों के इलाज पर पड़ रहा है और मजबूरन डॉक्टरों के कहने पर उन्हें निजी सेंटरों पर जाकर सीटी स्वैष्ठन और एमआरआई आदि करानी पड़ रही

है। मरीजों के परिजनों का आरोप है कि सुविधाएं देने में असफल साबित होनेवाले केईएम अस्पताल के पसीने छूट रहे हैं। दूसरी तरफ उनका यह भी आरोप है कि बारिश में भले ही इस बार देरी हो रही है लेकिन मौसमी बीमारियों के पैष्ठलने से इनकार नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद अस्पताल की ओर से इन बीमारियों का सामना करने के लिए कोई खासी तैयारी नहीं की गई है। बता दें कि साल १९२६ में स्थापित केईएम करीब २,२५० बेड का अस्पताल है, जिसमें करीब ३९० प्रोफेसर और ५५० रेजिडेंट डॉक्टर कार्यरत हैं। अस्पताल के ओपीडी और आईपीडी में रोजाना करीब दो से ढाई हजार मरीजों का इलाज किया जा रहा है। हालांकि, वर्तमान समय में यह अस्पताल कई जरूरी सुविधाओं के अभाव और दवाओं की कमी की मार से कराह रहा है। अस्पतालों में भर्ती होनेवाले और ओपीडी में आनेवाले मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आलम यह है कि मरीजों को सीटी स्कैन और एमआरआई बाहर से करानी पड़ती है। दूसरी तरफ केईएम में इलाज के लिए आनेवाले मरीजों को दवाएं निःशुल्क देने का पैष्ठसला लिया गया है। हैंडग्लव्ज, सलाइन, और दवाएं निःशुल्क प्रदान की जाती हैं। लेकिन बीते कई महीनों से अस्पताल कई जरूरी दवाओं की किल्लत से जूझ रहा है। इस वजह से मरीजों और उनके रिश्तेदारों को चिकित्सकों द्वारा लिखी गईं दवाएं अस्पताल में नहीं मिल रही हैं। ऐसे में उन्हें मेडिसिन मेडिकल स्टोरों से खरीदनी पड़ रही है।

महाराष्ट्र के राज्यपाल ने नए विधायकों के लिए तीन महीने के प्रशिक्षण की वकालत की

मुंबई : महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस ने सदन की कार्यवाही में भाग लेने से पहले नवनिर्वाचित विधायकों के लिए संसदीय आचरण को लेकर तीन महीने का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की शनिवार को पुरजोर वकालत की। यहां तीन दिवसीय राष्ट्रीय विधायक सम्मेलन के समापन समारोह में बैस ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से विधायकों को कानून बनाने की प्रक्रिया को समझने में मदद मिलेगी और वे अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी निर्वहन करने में सक्षम होंगे।

समापन समारोह में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर सहित अन्य ने भाग लिया।

एनएलसी का दूसरा संस्करण अगले साल नवंबर में गोवा में आयोजित किया जाएगा। कर्नाटक ने 2026 में सम्मेलन के तीसरे संस्करण की मेजबानी करने की पेशकश की है। सभा को संबोधित करते हुए शिंदे ने कहा कि यह शुभ संकेत है कि महाराष्ट्र ने देश की वित्तीय राजधानी में उद्घाटन सम्मेलन की मेजबानी की। सावंत ने कहा कि गोवा अगले साल देश भर के विधायकों की मेजबानी करने के लिए उत्सुक है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार 19 जून 2023

अजित पवार के हाथ में शिवसेना का धनुष-बाण, आखिर निशाना कौन है?

राजनीतिक गलियारों में चर्चा...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में नेता प्रतिपक्ष अजित पवार किसी न किसी वजह से हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। सुप्रिया सुले ने हाल ही में उनकी तुलना राजनीति के अमिताभ बच्चन से की थी। इसलिए कई राजनीतिक चचाएं हुईं। बहरहाल, आज बारामती में अजित पवार के अनोखे अंदाज ने उन्हें एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया है। उन्होंने हाथ में धनुष-बाण लिया हुआ है और सटीक निशाना साधा है। लेकिन यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इसका निशाना कौन है। अजीत पवार ने बारामती शहर में पर्यावरण फोरम ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित हैप्पी स्ट्रीट कार्यक्रम में शिरकत की। इस जगह पर अलग-अलग खेलों का

आयोजन किया जाता है। इस बार उसने हाथ में धनुष-बाण लिया और लक्ष्य पर सटीक प्रहार किया। अजीत पवार राज्य की राजनीति में एक बड़ा नाम हैं। साथ ही अजित पवार अपनी बेबाकी के लिए भी हमेशा चर्चा में रहते हैं।

बदलती राजनीति में अजित पवार हमेशा सक्रिय

महाराष्ट्र की बदलती राजनीति में अजित पवार हमेशा सक्रिय देखे जाते हैं। वहीं आज बारामती दौरे पर अजित पवार की मौजूदगी में अलग-अलग कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इसमें उन्होंने धनुष-बाण उठाकर अचूक निशाना साधा, लेकिन निशाना किसके लिए था, यह देखना भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा। अजित पवार फिलहाल आगामी चुनाव को लेकर सक्रिय नजर आ रहे हैं। ऐसा आदेश उन्होंने अपने कार्यकताओं को भी दिया है। वह पूरे राज्य में भ्रमण कर आम लोगों की समस्याओं को समझने की कोशिश भी करते नजर आ रहे हैं। बहरहाल, आज उनके इस अंदाज ने सभी का ध्यान खींचा है और अब देखना होगा कि अजित पवार असल में किसे निशाना बना रहे हैं।

प्रकाश अंबेडकर ने औरंगजेब की कब्र पर चढ़ाए फूल

BJP के वार पर आदित्य ने भी किया पलटवार

महाराष्ट्र : वंचित बहुजन अघाड़ी के प्रमुख प्रकाश अंबेडकर ने औरंगजेब की कब्र पर जाकर फूल चढ़ाए, जिसने एक राजनीतिक विवाद पैदा कर दिया है. वंचित बहुजन अघाड़ी और शिवसेना गठबंधन को लेकर बीजेपी ने उद्धव ठाकरे पर सीधा हमला बोला. बीजेपी ने उद्धव ठाकरे से यह भी पूछा कि प्रकाश अंबेडकर की इस कार्रवाई में ठाकरे गुट की क्या भूमिका है. इन तमाम विवादों की पृष्ठभूमि में आदित्य ठाकरे से इस बारे में पूछा गया. इसके बाद उन्होंने जवाब दिया. प्रकाश अंबेडकर के औरंगजेब की कब्र पर जाने और फूल चढ़ाने के कृत्य के बारे में पूछे जाने पर आदित्य ठाकरे ने कहा,

'मुझे अभी मीडिया से यह जानकारी मिली है. मुझे इसके बारे में बताएं और फिर मैं इस पर बोलूंगा.'

आदित्य ठाकरे ने एकनाथ शिंदे पर साधा निशाना

छपी खबर के अनुसार, आदित्य ठाकरे ने सुझाव दिया कि शिंदे समूह को वर्षगांठ मनाने के बजाय 'विश्व गद्दार दिवस' मनाना चाहिए. दुनिया के 33 देशों में शिंदे गुट की गद्दारी दर्ज है. इसलिए उन्हें 'विश्व गद्दार दिवस' मनाकर लोगों को दिखाना चाहिए कि उन्होंने कितनी बेशर्मी से विश्वासघात किया है. दोनों समूहों द्वारा वर्षगांठ के लिए चल रही तैयारियों के बारे में पूछे जाने पर, आदित्य ठाकरे ने कहा, ''हम वर्षगांठ मनाने जा रहे हैं. वहीं दूसरी ओर जिन्हें निष्कासित कर दिया गया है. जिसे हर जगह से 'अस्वीकृत' किया जाता है, वह हमारी वर्षगांठ कैसे मना सकता है? उन्हें (शिंदे समूह को) 'विश्व गद्दार दिवस' मनाना चाहिए. क्योंकि दुनिया के 33 देशों ने अपनी गद्दारी दर्ज की है. उन्हें उसी दिन मनाना चाहिए. वे लोगों को दिखा दें कि उन्होंने कितनी निर्लज्जता से विश्वासघात किया है. '' रविवार (18 जून) को वर्ली में ठाकरे गुट का राज्यव्यापी कैंप है. इस कैंप की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं. इस कैंप में प्रदेश भर से कई शिवसैनिक और पदाधिकारी शामिल होंगे.

एडोना वायरस के नए स्ट्रेन ने नौनिहालों पर संकट

मुंबई : एडोना वायरस के नए स्ट्रेन ने नौनिहालों पर संकट ला दिया है। इस संकट को गंभीरता से लेते हुए चिकित्सा विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि एडोना वायरस की चपेट में आने वाले बच्चों में बुखार, आंख, पेट, टॉन्सिल अथवा गले से संबंधित शिकायत दिखाई देती है। ऐसे में इन लक्षणों के साथ स्वास्थ्य में गिरावट दिखाई देने पर बिना नजरअंदाज किए तुरंत डॉक्टरों से सलाह लें। चिकित्सकों का कहना है कि एडेना वायरस के नए स्ट्रेन ने सांस की बीमारियों वाले बच्चों की संख्या में काफी वृद्धि की है। पिछले कुछ दिनों से बच्चों में बुखार, टॉन्सिल, गले में खराश और आंखों में लाली जैसे

लक्षण दिखाई दे रहे हैं। ये एडोना वायरस के लक्षण हैं, जो मुख्य रूप से पांच से १५ साल की उम्र के बच्चों में देखे जाते हैं। बताया जा रहा है कि बीते एक महीने से बच्चों में इस तरह के लक्षणों में अचानक बढ़ोतरी हुई है। बता दें कि एडोना वायरस एक सामान्य वायरस है, जो नाक, गले, श्वास नली और फेफड़ों में संक्रमण का कारण बनता है। लक्षणों में बुखार, खांसी और सर्दी शामिल हैं। इसमें बुखार एक सप्ताह से अधिक समय तक बना रह सकता है। ये लक्षण कई बार इन्फ्लुएंजा या फिर कोविड जैसे भी होते हैं। एडोना वायरस के विशिष्ट लक्षणों में लाल आंखें और बढ़े हुए लिम्फ नोड्स शामिल हैं। एडोना वायरस एक अत्यधिक संक्रामक वायरस है, जिसमें सामान्य सर्दी, ब्रोंकाइटिस और निमोनिया जैसी बीमारियां शरीर को घेर लेती है। इससे बच्चों का इम्यून सिस्टम कमजोर होता है। एडोना वायरस का संक्रमण बच्चों के श्वसन मार्ग, आंत, आंख, पेशाब नली को प्रभावित करता है।

महाराष्ट्र में उद्धव को लगा करारा झटका-शिशिर शिंदे के बाद मनीषा कायंदे ने भी छोड़ा साथ

महाराष्ट्र: एक ओर जंहा उद्धव बाला साहेब ठाकरे की शिवसेना का आज राज्यस्तरीय पदाधिकारी शिविर आयोजित किया जारहा है, जिसमें शिवसेना पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे अपने नेताओं, कार्यकताओं और पार्टी सदस्यों में नई ऊर्जा भरने और पार्टी को नई दिशा देने का प्रयास करेंगे, वहीं उन्हें उनकी पार्टी के दो नेताओं ने करारा झटका दिया है। पार्टी के नेता और पूर्व विधायक शिशिर शिंदे ने जहां पार्टी छोड़ने का ऐलान किया है वहीं पार्टी की तेज तर्रार नेता और विधान पार्षद मनीषा कायंदे भी यूबीटी छोड़कर शिंदे गुट ज्वाइन करेंगी।

उद्धव की शिवसेना के दो नेता जाएंगे शिंदे गुट में

शिवसेना नेता संजय सिरसाट ने कहा कि शिवसेना वइळ से टछउ मनीषा कायंदे आज शाम शिवसेना के शिंदे गुट को ज्वाइन करेंगी। उन्होंने बताया कि आज शाम 5 बजे

मुख्यमंत्री शिंदे की उपस्थित में उनके सरकारी निवास स्थान वर्षा बंगले पर मनीषा कायंदे शिवसेना की सदस्यता ग्रहण करेंगी। बता दें कि इससे एक दिन पहले, शनिवार को शिवसेना उद्धव गुट के एक पूर्व विधायक शिशिर शिन्दे ने उद्धव बालासाहेब ठाकरे शिवसेना को छोड़ने का ऐलान किया। उसके बाद से ही चर्चा थी कि रविवार को एक और नेता और प्रवक्ता पार्टी का साथ छोड़ देंगी। अब पता चला है कि मनीषा कायंदे (महाराष्ट्र विधान परिषद सदस्य) ने पार्टी छोड़ने और शिंदे गुट ज्वाइन करने का ऐलान किया है।

उद्धव के सामने है बड़ी चुनौती

मनीषा पार्टी में अपनी उपेक्षा से नाराज चल रही थीं। मनीषा पार्टी की प्रवक्ता और विधानपरिषद सदस्य है जो राष्ट्रीय और क्षेत्रीय चैनल पर हमेशा शिवसेना वइळ का पक्ष रखती आयीं थीं। मनीषा तेज तर्रार प्रवक्ता हैं और पेशे से प्रोफेसर रही हैं। मनीषा कायन्दे के एकनाथ शिंदे के साथ आने से विधानपरिषद में शिंदे गुट की ताकत और बढ़ेगी। कहा जा रहा है कि एकनाथ शिन्दे की बगावत और उद्धव ठाकरे से मुख्यमंत्री की कुर्सी छिनने के बाद से पार्टी बचाने और फिर सत्ता हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे उद्धव ठाकरे के लिए पार्टी से नेताओं का इस तरह से जाना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार 19 जून 2023

व्हाट्सएप स्टेटस लगाने पर कोल्हापुर में हुई थी हिंसा विधानसभा चुनाव में वोटरों के ध्रुवीकरण का अंदेशा...

मुंबईः महाराष्ट्र में बीते कुछ समय से औरंगजेब को लेकर राजनीति तेज हो चली है। यहां पिछले कुछ महीनों में सोशल मीडिया पर मुगल बादशाह औरंगजेब की तारीफ वाले संदेशों और व्हाट्सएप स्टेटस पर बंद का आ''ान और हिंसा हुई। औरंगजेब को लेकर यह स्क्रिप्ट पिछले एक महीने में कोल्हापुर, अहमदनगर, धुले और नासिक में देखने को मिली है। बीजेपी-शिवसेना सरकार की निगरानी में 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' के खिलाफ विरोध मुखर हुआ है, जिसका नतीजा यह रहा कि आयोजित हिंदू जन आक्रोश मोर्चा की रैलियों के मद्देनजर ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। सरकार के आलोचकों का कहना है कि अगले साल होने वाले आम और विधानसभा चुनावों से पहले मतदाताओं के ध्रुवीकरण के लिए सांप्रदायिक कलह बोई जा रही है, लेकिन दूसरा पक्ष तनाव फैलाकर सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट बनी हिंसा की वजह

शांति और सामुदायिक संबंधों के लिए जाने वाले राज्य में एक पोस्टर से जन्मी हिंसा चिंता बढ़ाने वाली है। पूर्व पुलिस महानिदेशक सतीश माथुर ने कहा, 'यह विश्वास करना मुश्किल है कि सोशल मीडिया पर एक पोस्ट या स्थिति महाराष्ट्र में बंद या हिंसा का कारण बन सकती है, जो राज्य सांप्रदायिक रूप से कभी इस तरह से नहीं दिखा। यहां तक कि देश के अन्य

हिस्सों में भीषण साम्प्रदायिक घटनाओं के दौरान भी महाराष्ट्र काफी हद तक शांतिपूर्ण रहा। इससे साफ मालूम पड़ता है कि जरूर कोई जानबूझकर समुदायों को शांति भंग करने के लिए उकसाने की कोशिश कर रहा है।

औरंगाबाद का नाम बदलने से भड़की चिंगारी

औरंगाबाद का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर कर दिया गया, जिसे कि हिंसा की एक चिंगारी माना जा रहा है। खासकर जब सरकार के नेताओं ने इसे ऐतिहासिक गलती करार देते हुए महाराष्ट्र में औरंगजेब के सभी उल्लेखों को मिटा देने के कदम के रूप में पेश किया। हालांकि यह योजना उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार के तहत ही काम कर रही थी। लेकिन भाजपा-शिवसेना सरकार ने फरवरी में इस पर अपनी मुहर लगा दी, जिसके बाद मई में छत्रपति संभाजी महाराज जयंती समारोह मनाया गया। बीते काफी समय से चले आ रहे इस आ''ान ने पुराने विवाद को फिर से ताजा कर दिया।

शिवाजी महाराज के पुत्र की हत्या पुराना घाव

1680 के दशक में छत्रपति शिवाजी महाराज की मृत्यु के बाद औरंगजेब ने दक्कन को अधीन करने के लिए अभियान चलाया। यह उसका पुराना सपना था। यहां तक कि औरंगजेब ने अपने सेनापतियों की सलाह के खिलाफ अपना दरबार औरंगाबाद स्थानांतरित कर दिया और आक्रमणों की बौछार शुरू कर दी। इस दौरान बीजापुर और गोलकुंडा राज्यों ने जल्दी ही घुटने टेक दिए। फिर मराठों ने पकड़ बनाई, जिसके बाद 1689 में मुगल-मराठा आमने-सामने का सबसे खूनी अध्याय आया। शिवाजी के पुत्र और उत्तराधिकारी संभाजी को मुगलों ने पकड़ लिया गया, उन्हें प्रताड़ित कर क्रूरता से मौत के घाट उतार दिया गया।

२८२ यात्रियों से वसूला गया ८६१८० रुपये जुर्माना

नालासोपारा : १५ जून (गुरुवार) को पश्चिम रेलवे अंतर्गत नालासोपारा रेलवे स्टेशन पर विशेष टिकट चेकिंग दस्ता तैनात कर फोर्ट्रेस (किलेबंदी कर) टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया,जिसमे बड़ी संख्या में रेल यात्रियों पर कार्रवाई की गयी। यह अभियान मात्रा ४ घन्टे चलाया गया,ऐसे में रेल यात्रियों पर कार्रवाइ जबरदस्त की गयी व विभाग को राजस्व की प्राप्ति हजारों रुपये में हुई है। यह कार्रवाई वाणिज्य विभाग व नालासोपारा आरपीएफ के साथ चेकिंग की गई। बताया गया है कि अभियान के दौरान शाम ४ बजे देर रात्रि ८ बजे तक बिना टिकट के यात्रा करने वाले २८२ यात्रियों पकड़े गए,

भाजपा ने सत्ता बनाए रखने के लिए एकनाथ शिंदे के सामने घुटने टेक दिए हैं - जयंत पाटील

मुंबई : शिंदे गुट-भाजपा विवाद पर राकांपा अध्यक्ष जयंत पाटील ने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि वर्तमान में भाजपा और शिंदे गुट के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। भाजपा ने सत्ता बनाए रखने के लिए एकनाथ शिंदे के सामने घुटने टेक दिए हैं। आगामी लोकसभा चुनाव में शिंदे गुट के सभी नेता भाजपा के चुनाव चिह्न पर लड़ने का आग्रह करेंगे। लोकसभा चुनाव में अभी एक वर्ष बाकी है। जयंत पाटील ने यह भी कहा कि आनेवाले समय में सब कुछ धीरे-धीरे समझ में आ जाएगा। शिंदे गुट-भाजपा के बीच

चल रहे अंतर्कलह पर दो टूक बात करते हुए जयंत पाटील ने कहा कि शिंदे गुट और भाजपा जुनून में एक साथ आए थे। परंतु अब भाजपा ने सत्ता बनाए रखने के लिए आत्मसमर्पण कर दिया है और शिंदे के सामने घुटने टेक दिए हैं। साथ ही एकनाथ शिंदे के लिए भी असहज स्थिति पैदा हो गई है। उन्हें भी मजबूरी में इसी में रहना पड़ रहा है। इसलिए भाजपा-शिंदे गुट में थोड़े-बहुत विवाद होंगे। इसके साथ ही शायद शिंदे गुट के चुनाव चिह्न पर कोई भी चुनाव लड़ने के लिए तैयार नहीं होगा। सभी कमल चिह्न पर चुनाव लड़ने का आग्रह करेंगे, ऐसा जयंत पाटील ने कहा। महाराष्ट्र जैसे प्रगतिशील विचारों वाले राज्य में दंगा, पत्थरबाजी, महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं बार-बार घटने के बावजूद भी राज्य के पुलिस व गोपनीय विभाग क्या कार्रवाई कर रहे हैं? ऐसा सवाल सामान्य जनता के मन में निर्माण हुआ है।

डूब सकता है वसई - विरार नाला साफ-सफाई...

इस साल भी नाले सफाई के नाम पर करदाताओं के रुपये भ्रष्टाचार की भेट चढ़ चुके, भाजपा

वसई : वसई विरार शहर महानगरपालिका घनकचरा व्यवस्थापना विभाग द्वारा पिछले दिनों एक जाहिर आवाहन कर नागरिकों को बताया है कि, बारिश से पहले तालुका के सभी कच्चे और पक्के नालों की ९५ प्रतिशत सफाई हो चुकी है,इस जानकारी के लिए भाजपा वसई विरार जिला उपाध्यक्ष मनोज बारोट ने विविसीएमसी प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए बताया है कि एक तरफ मनपा प्रशासन ९५ प्रतिशत नाले सफाई होने की वाहवाही लूट रही है तो दूसरी ओर नागरिकों को काम पर लगाते हुए अपील भी कर रही है कि यदि किसी नाले की सफाई नहीं होने की जानकारी नागरिकों के ध्यान में आती है तो जियो टैगिंग द्वारा या आरोग्य विभाग के सहायक आयुक्त व वरिष्ठ आरोग्य निरीक्षक के दिए गए नंबर पर जानकारी भेज सकते है। नाले सफाई को लेकर मनपा प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी पर बारोट का कहना है कि मनपा के कायार्देश के मुताबिक नाले सफाई करने की जिम्मेदारी ठेकेदार की हैव ठेकेदार ने कायार्देश के मुताबिक काम किया है की नही ? यह देखने की जिम्मेदारी सभी ९ प्रभागों के संबंधित विभागीय अधिकारी कर्मचारियों की है, इसलिए मनपा प्रशासन द्वारा जारी की गई आवाहन में नागरिको को किया हुआ अपील ही अपने आप में अनेक सवाल खड़ा कर रही है, बारोट का आरोप है कि वरिष्ठ अधिकारियों को उनके द्वारा जारी आवाहन पर ही शायद विश्वास नही है ? इसका मुख्य कारण शायद यही हो सकता है कि उन्हें ठेकेदारों के काम पर या अधिकारी कर्मचारियों के अहवाल (प्रस्तुति) पर भरोसा नहीं है और शायद इसलिए ही नागरिकों को अपील कर सही जानकारी हासिल करने का प्रयास प्रशासन द्वारा किया जा रहा है यह कहना गलत नहीं होगा।

गोखले ब्रिज के काम में एक बार फिर बाधा उत्पन्न

मुंबई : मुंबई महानगर के पश्चिमी उपनगर अंधेरी में सबसे पुराने पुल, गोखले ब्रिज का पुनर्निर्माण काम शुरू है। यह पुल चर्चा में रहा है। स्टील गर्डर की सप्लाई समय पर नहीं होने से इस पुल के निर्माण कार्य में पहले ही लगभग ७ महीने की देरी हो चुकी है। उस पर अब पेड़ों की कटाई को लेकर इस पुल के काम में एक बार फिर बाधा उत्पन्न हो गई है। नतीजतन इसकी डेडलाइन और आगे बढ़ सकती है।

गोखले पुल का निर्माण विशेष तकनीकी से किया जा रहा है। यहां १०० मीटर सिंगल स्लैब लगाया जा रहा है। मतलब रेलवे ट्रैक के बीच

कोई पिलर नहीं होगा। सीधे पूर्वी और पश्चिमी छोर पर पिलर होगा। इतने विशाल गर्डर को सेट करने के लिए सपोर्टिव ढांचा बनाया जा रहा है, जिसके लिए यहां तीन पेड़ों की कटाई करनी होगी। इसके लिए मनपा ने ट्री अथॉरिटी से अनुमति मांगी हैं। इसके ट्री अथॉरिटी निर्णय देने में काफी समय ले सकता है। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है।

मुंबई के वृक्ष प्राधिकरण ने मनपा की ओर से अंधेरी-पूर्व में गोपाल कृष्ण गोखले पुल के पुनर्निर्माण से प्रभावित तीन पेड़ों को काटने और दो अन्य को फिर से लगाने के विवादास्पद प्रस्ताव को लेकर विचार कर रहा है। मनपा के इस प्रस्ताव ने स्पष्ट है कि पुल को खुलने में और देरी होगी। मनपा के इस कदम से स्थानीय लोगों का गुस्सा और बढ़ गया है। लोग इस योजना के काम में लापरवाही को लेकर अधिकारियों की आलोचना कर रहे हैं। बता दें कि मनपा ने जनता को आश्वासन दिया था कि मानसून की शुरूआत से पहले महत्वपूर्ण पूर्व-पश्चिम कनेक्टर की एक लेन को फिर से खोल दिया जाएगा। लेकिन आपूर्तिकर्ता स्टील कंपनी में हड़ताल के कारण परियोजना का काम रुक गया और परियोजना की डेडलाइन ५ महीने आगे खिसक गई।

राजनीति के अमिताभ बच्चन हैं एनसीपी नेता अजित पवार...

शिंदे के मंत्री के ऑफर पर बोलीं सुप्रिया सुले

मुंबईः मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार में मंत्री और शिंदे सेना के मुख्य प्रवक्ता दीपक केसरकर ने अजित पवार को सरकार में शामिल होने का ऑफर दिया है। बता दें कि एनसीपी नेता अजित पवार इस समय विधानसभा में नेता विपक्ष हैं। केसरकर ने अजित पवार की जमकर तारीफ भी की है। केसरकर ने कहा है कि अजीत पवार के लिए मेरे मन में बहुत सम्मान है। वह विपक्ष के नेता हैं, जिम्मेदार नेता हैं। अजित पवार जब बोलते हैं तो लोग उन्हें गंभीरता से लेते हैं। हमारी अपेक्षा है कि वह भी सरकार में शामिल हों। केसरकर ने कहा कि अजित पवार एक अनुभवी नेता हैं। उनके काम का फायदा राज्य की जनता

को मिलना चाहिए।

केसरकर के इस बयान के बयान के बाद एक बार फिर अजित पवार को लेकर नई अटकलबाजी शुरू हो गई है। इससे पहले भी अजित पवार के बीजेपी के साथ जाने की खबरें चली थीं, लेकिन अजित पवार ने 'आखिरी सांस तक एनसीपी में ही रहूंगा' यह बयान देकर मामला शांत कर दिया था। बाद में एनसीपी प्रमुख शरद पवार के पार्टी का प्रमुख पद छोड़ने की घोषणा को भी अजित को बीजेपी में जाने से रोकने के लिए उठाया गया कदम बताया गया था। अब केसरकर के खुले ऑफर से एक बार फिर नई चर्चा शुरू हो गई है।

दीपक केसरकर के इस बयान पर एनसीपी की कार्याध्यक्ष और महाराष्ट्र की प्रभारी सुप्रिया सुले ने कहा कि अजित पवार महाराष्ट्र की राजनीति के अमिताभ बच्चन हैं। जिस तरह हर फिल्म में अमिताभ बच्चन के होने की चाहत होती है, उनकी आवाज, उनका फोटो, उनका लुक और उनके हस्ताक्षर भी चलते हैं, वैसे ही अजित पवार महाराष्ट्र की राजनीति के अमिताभ बच्चन हैं।

ठाकरे को पसंद है 'कर्नाटक पैटर्न'?

किताबों से सावरकर के चैप्टर हटाए जाने पर देवेंद्र फडणवीस का सवाल

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शुक्रवार को अपने पुराने गठबंधन सहयोगी शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए उनसे सवाल किया कि क्या महाराष्ट्र में भी 'कर्नाटक पैटर्न लागू होने वाला है?' दरअसल, कर्नाटक में बीजेपी को हरा कर सत्ता में आई कांग्रेस ने पाठ्यपुस्तकों से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और हिन्दुत्व विचारक वीर दामोदर सावरकर पर अध्यायों को हटाने का फैसला लिया है. उस्मानाबाद में एक रैली में उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने देश की आजादी की लड़ाई में शामिल होने वाली हस्तियों के नाम भले ही पाठ्यपुस्तकों से हटा दिए हों लेकिन

हमारे दिलो-दिमाग से उनका नाम नहीं मिटा सकती है.

'क्या उद्धन ठाकरे इसे बर्दाश्त करेंगे?'

उप मुख्यमंत्री ने कहा, 'कर्नाटक में जब बीजेपी चुनाव हारी थी तो एमवीए नेताओं शरद पवार, नाना पटोले ने कहा था कि वे महाराष्ट्र में भी 'कर्नाटक पैटर्न' लागू करेंगे. अब कर्नाटक ने पुस्तकों से स्वतंत्रता सेनानियों के नाम हटाने और जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ बने कानून को वापस लेने का फैसला लिया है. उन्होंने कहा, 'मैं उद्धव ठाकरे से पूछता हूं, क्या यह वही कर्नाटक पैटर्न है जिसे वे लोग महाराष्ट्र में लागू करने वाले हैं? क्या उद्धव ठाकरे इसे बर्दाश्त करेंगे? या फिर उन्हें घोषणा कर देनी चाहिए कि उन्होंने हिन्दुत्व की विचारधारा को त्याग दिया है.'

'हस्तियों को पुस्तकों से हटाया जा सकता है दिल से नहीं'

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे (जिन्होंने पिछले साल ठाकरे के खिलाफ बगावत की) और बीजेपी बाल ठाकरे के हिन्दुत्व को फिर से जिंदा कर रहे हैं. इससे पहले मुंबई में फडणवीस ने कहा था कि दक्षिण भारतीय राज्य कर्नाटक में कांग्रेस की सत्ता में वापसी के बाद वहां स्कूल की पाठ्यपुस्तकों में संशोधन की पहले से ही उम्मीद थी.

धार्मिक नारे लगाने पर स्कूल ने 6 स्टूडेंट को निकाला

एमएनएस के प्रदर्शन के बाद वापस लिया फैसला

नवी मुंबई : नवी मुंबई के वाशी इलाके में मौजूद सेंट लॉरेंस हाई स्कूल के छात्रों को स्कूल प्रशासन ने रिइंस्टेट कर लिया है। स्कूल ने यह कदम महाराष्ट्र नव निर्माण सेना की यूथ विंग द्वारा किये गए प्रोटेस्ट के बाद उठाया गया है। दरअसल स्कूल प्रशासन ने छात्रों को यह कहते हुए 12 जून को रेस्टीकेट कर दिया था कि वह धार्मिक नारे लगा रहे थे। बच्चों के रेस्टीकेशन की शिकायत अभिभावकों ने मनसे विद्यार्थी सेना से की थी। जिसे बाद बाद स्कूल के बाहर मनसे स्टूडेंट विंग द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया था। स्कूल प्रशासन ने दसवीं के छह विद्यार्थियों को रेस्टीकेट किया था। हालांकि, स्थानीय पुलिस ने मनसे विद्यार्थी सेना को स्कूल के अंदर दाखिल होने से रोक दिया था। इस बीच लोकल बीजेपी के पदाधिकारी वजय वालुंज और कुछ हिंदू संगठनों ने स्कूल में जाकर प्रबंधन से बातचीत की और छात्रों के निष्कासन का फैसला वापस लेने के लिए कहा। स्कूल की हेड मिस्ट्रेस सायरा केनेडी ने बताया कि दसवीं क्लास के यह स्टूडेंट सीढ़ियों में पर शोर मचा रहे थे और हंगामा कर रहे थे। यह सब कुछ उन्होंने ग्राउंड फ्लोर पर निरिक्षण के दौरान देखा था। केनेडी ने बताया कि स्कूल ने फैसला वापस ले लिया है और तीन बच्चों ने तो स्कूल अटेंड करना भी शुरू कर दिया है। वहीं नवी मुंबई में एमएनएस के सचिव सचिन कदम ने कहा कि इन छात्रों को सिर्फ इसलिए रेस्टीकेट कर दिया गया था क्योंकि वह जय श्रीराम का नारा लगा रहे थे। हालांकि, स्कूल की हेड मिस्ट्रेस सायरा केनेडी ने एमएनएस के इन आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि मैंने ऐसा कुछ नहीं सुना। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्टूडेंट स्कूल के समय के शोर मचा रहे थे इसलिए उनके खिलाफ यह कार्रवाई हुई थी।

अजित पवार ने फिर की प्रधानमंत्री की तारीफ

कहा- नेहरू-इंदिरा जैसे करिश्माई नेता हैं मोदी... उनके काम की वजह से देश में भाजपा

मुंबई : एनसीपी चीफ शरद पवार के भतीजे और महाराष्ट्र में विपक्ष के नेता अजित पवार ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। उन्होंने प्रधानमंत्री को करिश्माई नेता बताया है। पवार ने अप्रैल में भी प्रधानमंत्री की तारीफ करते हुए कहा था- 2 सांसदों वाली भाजपा मोदी की वजह से ही 2014 और 2019 में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बना पाई। अजित पवार शुक्रवार को जलगांव में एक राज्य स्तरीय कार्यकर्ता शिविर में बोल रहे थे। उन्होंने कहा- नरेंद्र मोदी देश के पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी जैसे करिश्माई नेता हैं। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह की भी तारीफ की। पवार ने कहा कि इन दो नेताओं की वजह से ही आज देश के अधिकतर राज्यों में भाजपा की सरकार है। पवार ने नरेंद्र मोदी और अटल बिहारी वाजपेयी के समय की भाजपा की भी तुलना की। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय में भी भाजपा को पूरा बहुमत नहीं मिला था, लेकिन मोदी के काम और करिश्मा की वजह से भाजपा केंद्र में अपने दम पर दो बार सरकार बना चुकी है। अधिकतर राज्यों में भी उनकी सरकार है।

पवार बोले- महाराष्ट्र में अफसरों के तबादले का रेट तय

अजित पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तो तारीफ की लेकिन महाराष्ट्र की शिवसेना-भाजपा गठबंधन सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। पवार ने दावा किया- एकनाथ शिंदे की सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। यहां अधिकारियों के तबादलों के रेट फिक्स हैं। राज्य के कई ऐसे मंत्री हैं, जिनके निजी सहायकों के घर भ्रष्टाचार को लेकर छापेमारी हुई है।

मंत्रिमंडल विस्तार न करने पर भी राज्य सरकार को घेरा

पवार ने राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार न होने पर भी शिंदे-फडणवीस सरकार को घेरा। पवार ने कहा- शिंदे मंत्रिमंडल में निर्धारित 43 में से सिर्फ 20 मंत्री ही शामिल है। एक-एक मंत्रियों के पास कई सारे विभाग हैं और वे काम करने में असमर्थ हैं। उन्हीं के पास जिलों की भी जिम्मेदारी है। इससे कामकाज में रुकावट आ रही है। इधर, एनसीपीकी वर्किंग प्रेसिडेंट सुप्रिया सुले ने अजित पवार की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि पवार महाराष्ट्र की राजनीति के अमिताभ बच्चन हैं। जिस तरह हर फिल्म में अमिताभ बच्चन के होने की चाहत होती है, उनकी आवाज, उनका फोटो, उनका लुक और उनके साइन भी चलते हैं, वैसे ही महाराष्ट्र की राजनीति में हर जगह पवार की जरूरत है।

टिकट चेकिंग अभियान में यात्रियों से वसूला गया हजारों रुपये जुमार्ना की राशि...

नालासोपारा : पश्चिम रेलवे अंतर्गत नालासोपारा रेलवे स्टेशन पर विशेष टिकट चेकिंग दस्ता तैनात कर फोर्ट्रेस (किलेबंदी कर) टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया,जिसमे बड़ी संख्या में रेल यात्रियों पर कार्रवाई की गयी। यह अभियान मात्रा ४ घन्टे चलाया गया,ऐसे में रेल यात्रियों पर कार्रवाई जबरदस्त की गयी व विभाग को राजस्व की प्राप्ति हजारों रुपये में हुई है। यह कार्रवाई वाणिज्य विभाग व नालासोपारा आरपीएफ के साथ चेकिंग की गई। बताया गया है कि अभियान के दौरान शाम ४ बजे देर रात्रि ८ बजे तक बिना टिकट के यात्रा करने वाले २८२ यात्रियों पकड़े गए, जिनसे जुमार्ने के रूप में लगभग ८६१८० रुपये के राजस्व की प्राप्ति हुई। फिलहाल,उक्त अभियान नालासोपारा आरपीएफ स्टाफ सहित टीटीई स्टाफ मौजूद थे।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार 19 जून 2023

उद्यमशील संस्कृति को बढ़ावा और नवाचार की भावना विकसित करना जरूरी :मुख्यमंत्री

19 जून को होगी एमपी एमएसएमई समिट-2023

भोपाल। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रदेश में उद्यमशील संस्कृति को बढ़ावा देने और नवाचार की भावना को विकसित करने में एमपी एमएसएमई समिट-2023 सहायक सिद्ध होगी। इसमें शामिल होने वाले उद्यमियों, विषय-विशेषज्ञों से प्रदेश के युवाओं को उद्यमिता के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा और वे विभिन्न क्षेत्रों में नई संभावनाओं से परिचित भी हो सकेंगे। समिट में एमएसएमई के लिए टेक्नालॉजी ट्रांसफर, न्यू एज फाइनेंस, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा, महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन और डिजिटल रूपांतरण विषयों पर विशेष-सत्र होंगे। मुख्यमंत्री चौहान 19 जून को आर्थिक विकास के शुभ संयोग-मध्यप्रदेश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग पर होने वाली समिट-2023 की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। निवास कार्यालय स्थित समत्व भवन में हुई बैठक में मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा उपस्थित रहे।

एमएसएमई अवार्ड से सम्मानित होंगे उद्यमी और उद्योगपति

भोपाल में नर्मदापुरम रोड स्थित आमेर ग्रीन्स में सुबह 9:30 बजे से होने वाली समिट में लगभग 1000 प्रतिभागी शामिल होंगे। इसमें उद्यमी एवं उद्योगपति, उद्योग संघ पदाधिकारी, स्टार्ट अप से जुड़े व्यक्ति और विद्यार्थी शामिल होंगे। वाल्मार्ट और एनएसई इंडिया के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर भी होंगे। साथ ही वर्ष 2018-19, 2019-20 और 2020-21 के लिए एमएसएमई अवार्ड दिए जाएंगे। सभी जिला मुख्यालयों पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण होगा।

समिट में 6 विषयगत सत्र होंगे, जिनमें प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से एमएसएमई का आधुनिकीकरण, एमएसएमई के लिए वित्तीय समाधान के नए आयाम, क्लस्टर विकास, एमएसएमई को परिस्थितिकी अनुरूप समर्थ बनाना, अंतर्राष्ट्रीय काम्पिटेटिवनेस बढ़ाना, उद्यामिता के माध्यम से महिला सशक्तिकरण और एमएसएमई के लिए डिजिटल परिवर्तन की आवश्यकता विषयों पर चर्चा होगी। समिट में संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन के भारत प्रतिनिधि रेने वान बर्कल, फिक्की फ्लो की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुसुधा शिवकुमार, कोप्पल टॉय क्लस्टर के सीईओ किशोर राव, राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक कमोडोर अमित रस्तोगी, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के महानिदेशक (सेवानिवृत्त) सुरेंद्र नाथ त्रिपाठी, अध्यक्ष लघु उद्योग भारती महेश गुप्ता, केन्द्र सरकार के पूर्व सचिव डॉ. राजन कटोच और अध्यक्ष दलित चेम्बर्स आफ कामर्स इंडस्ट्रीज मिलिंद कामले शामिल होंगे। कार्यक्रम के नॉलेज पार्टनर अर्नस्ट एण्ड यंग और अकादमिक पार्टनर आइआईएम इंदौर हैं। इन्वेस्ट इंडिया, एसोचैम इंडिया, सीआईआई, फिक्की, पीएचडी चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री और डिक्की भी कार्यक्रम में सहभागी हैं।

जूनागढ़ में दरगाह हटाने के नोटिस पर बवाल

भीड़ ने पत्थर फेंके, गाड़ियां फूंकीं, एक की मौत, डीएसपी और 4 पुलिसकर्मी घायल

अहमदाबाद। गुजरात के जूनागढ़ में सड़क पर बनी अवैध दरगाह हटाने के नोटिस को लेकर शुक्रवार रात जमकर बवाल हुआ। इस दौरान करीब 500 से 600 लोगों की भीड़ ने पुलिस चौकी पर पथराव कर दिया और बाहर खड़ी गाड़ियों में आग लगा दी। हस हमले एक डीएसपी समेत चार पुलिसकर्मी घायल बताए जा रहे हैं। हिंसा के बाद एक्शन में आई पुलिस ने करीब 175 लोगों को हिरासत में लिया है। इस घटना से पूरे इलाके में तनाव है, लेकिन फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस पूरे इलाके में गश्त कर रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जूनागढ़ नगर निगम की तरफ से रास्ते बीच में बनी अवैध दरगाह हटाने का नोटिस दिया गया था। दरगाह पर नोटिस चिपकाने के बाद लोग सड़कों पर उतर आए और भीड़ में शामिल कुछ असामाजिक तत्वों ने पुलिस की टीम पर हमला कर दिया। वहीं, मजेवड़ी चौक स्थित पुलिस चौकी में लोगों ने जमकर तोडफोड़ की और पुलिस टीम पर पथराव करने के साथ ही बाहर खड़ी गाड़ियों में आग लगा दी।

एक व्यक्ति की मौत की खबर

पुलिस के मुताबिक, उपद्रवियों ने हिंसा के दौरान कई गाड़ियां भी फूंक दी। उपद्रव को कंट्रोल करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। पथराव के दौरान एक व्यक्ति की मौत होने की खबर है। घटना के बाद से इलाके में काफी तनाव है। यहां बड़ी तादाद में जवानों को तैनात कर पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। एसपी जूनागढ़ रवि तेजा वासमसेट्टी ने शनिवार को कहा, मजेवाड़ी गेट के पास एक मजार को जूनागढ़ नगर निगम द्वारा 5 दिनों के भीतर उसके वैध होने के दस्तावेज पेश करने का नोटिस दिया गया था। कल वहां करीब 500-600 लोग जमा हुए थे।

उत्तर प्रदेश सिंधी अकादमी द्वारा किया गया नि :शुल्क सिंधी शिक्षण शिविर का प्रारम्भ

आगरा। *उत्तर प्रदेश सिंधी अकादमी द्वारा श्री सोमनाथ धाम शाहगंज में निःशुल्क सिंधी शिक्षण शिविर प्रारम्भ किया गया। शिविर का शुभारंभ योगी ने मां सरस्वती, श्री गुरु ठाकुरनाथ योगेश्वर एवम सद्गुरु राजा सोमनाथ योगेश्वर के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। उत्तर प्रदेश सिंधी अकादमी के पूर्व सदस्य समाजसेवी हेमंत भोजवानी ने इस अवसर पर बताया कि इस शिक्षण शिविर में 05 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों तथा इसके ऊपर किसी भी आयु के शिक्षार्थी सिंधी सीखने के लिए इस शिविर में प्रतिभाग कर सकते हैं। छात्रों को स्टेशनरी भी निःशुल्क मिलेगी।कक्षा समय सांय5.30 से 6,30 रहेगा। शिक्षण कार्य प्रीति खूबनानी द्वारा कराया जाऐगा। समाज सेवी श्याम भोजवानी ने बताया की यह एक महत्वपूर्ण पहल है आज बच्चो सहित 33 लोगो ने क्लास ज्वाइन की। इस दौरान योगी शंकर नाथ जी, हेमंत भोजवानी, जयप्रकाश धर्मानी, शिक्षिका अनीता दरियानी, शिक्षिका प्रीति खूबनानी, घनश्याम खयानी, श्याम भोजवानी, मोहनलाल बोधवानी, लक्ष्मण भावनानी, टीकम लालवानी, विजय भाटिया, नरेंद्र, नानू, नरेश चावला, जीतू भाई, समाजसेवी मनोज नोतनानी आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।*

दो सगे मासूम भाईयों की सर्पदंश से मौत, रात 3 बजे की घटना

जिला अस्पताल टीकमगढ़ में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित, परिजनों में मचा हाहाकार

ललितपुर। अंतिम संस्कार करने जा रहे परिजनों से ललितपुर पुलिस ने बच्चों के शव पोस्टमार्टम हेतु लिए कब्जे में। इलाज समय से नही मिलने की बजह बताई जा रही मौत की मुख्य बजह..झाड़फूंक में गवाया था समय। सर्पदंश के मामले में स्वास्थ्य विभाग पूरी तरफ विफल है, आज तक वह पब्लिक का विश्वास नही जीत पाया कि लोग ऐसी घटना होने पर पहले झाड़फूंक कराने जाए या फिर सरकारी अस्पताल.. विभाग की उदासीनता के चलते लोगो मे यह धारणा आज भी बनी हुई कि सर्पदंश की ठोस दवा नही बनी बल्कि झाड़फूंक से ही सही होता।

इसी धारणा का खूब फायदा अस्पतालो में भी उठाया जाता, परिजनों के सामने साधारण दवाई करके अटेंडर इतिश्री कर लेते और परिजनों को

झाड़फूंक के लिए मजबूर बना देते।

इस उदाहरण का मैं खुद गवाह बना था टीकमगढ़ अस्पताल में करीब 6 वर्ष पहले, अस्पताल वालो ने बम्होरी घाट की महिला को थोड़ी दवाएं करके बरामदे में छोड़ दिया था परिजन घेरे बैठे थे वह तड़फ रही थी तभी मैं पहुचा तो रहा नही गया,गुस्से में स्टाफ के लिए बुरा भला कहा तो अस्पताल प्रशासन आ गया था तत्काल सरकारी एम्बुलेंस से झांसी रेफर किया था वहां उसकी जान बच गयी,आज परिजन मेरा एहसान मानते वरन वह भी झाड़फूंक में समय बर्बाद करते और जान गवां बैठते महिला की।

झाड़फूंक भी एक चिकित्सा मानी गयी लेकिन यह तभी कारगर होती जब करीब 550 प्रजातियों में से 450 कम जहरीले जहरीले सांपो में से किसी सांप ने काटा गया हो या ठीक से जहर अंदर परिवेश न हो पाया हो,ऐसे में मरीज को मानसिक रूप से इलाज मिल जाता,घबराहट कम हो जाती जिससे ब्लूडप्रेसर कम हो जाता जिससे मरीज बच जाते।

चन्दन सिंह भारतीय रेल यात्री कल्याण समिति के सदस्य मनोनीत

ललितपुर। राष्ट्रीय स्तर पर रेल यात्रियों की सुविधाओं में वृद्धि एवं यात्रा के दौरान होने वाली समस्याओं के समाधान हेतु कार्य करने वाली देश की एकमात्र संस्था भारतीय रेल यात्री कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं जेड आर यू सी सी उत्तर मध्य रेलवे, रेल मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य डा.प्रदीप कुमार तिवारी ने चन्दन सिंह के समाजसेवा के क्षेत्र में योगदान को देखते हुए तथा रेल सेवा के प्रति रुचि को देखते हुए समिति का विशिष्ट सदस्य मनोनीत किया है। क्षेत्र वासियों एवं शुभचिंतकों ने उनको बधाई देते हुए रेल यात्रियों के समस्याओं के समाधान तथा सुविधाओं में वृद्धि की अपेक्षा की है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार 19 जून 2023

'हार्ट ऑफ स्टोन' के ट्रेलर में कम स्क्रीन टाइम पर आलिया भट्ट ने तोड़ी चुप्पी, दिया यह बड़ा बयान

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने साउथ में जलवा बिखेरने के बाद हॉलीवुड में भी अपने पांव जमाने की ठान ली है। एक्ट्रेस फिल्म 'हॉट ऑफ स्टोन' से अपना हॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं, जिसमें उनके साथ गैल गैडोट भी हैं। मूवी में आलिया को निगेटिव किरदार में देखा जाएगा। हाल ही में इसका ट्रेलर जारी हुआ है, जिसमें आलिया ज्यादा दिखाई नहीं दे रही हैं। इसी को लेकर एक्ट्रेस से ट्रेलर लॉन्च पर सवाल पूछा गया, जिस पर आलिया का बयान अब सुर्खियां बटोर रहा है। आलिया भट्ट और गैल गैडोट की फिल्म 'हॉट ऑफ स्टोन' के ट्रेलर को ब्राजील में वार्षिक नेटफ्लिक्स कार्यक्रम टुडुम में प्रदर्शित किया गया। ट्रेलर में आलिया को मुख्य खलनायक की भूमिका मे देखकर जहां अधिकांश दर्शक हैरान थे, तो वहीं तमाम लोगों ने इसमें एक्ट्रेस के कम स्क्रीन टाइम को लेकर शिकायत की। इसी पर चुप्पी तोड़ते हुए आलिया ने बड़ा बयान दिया है। रेड कार्पेट इवेंट पर आलिया भट्ट से उनके कम स्क्रीन टाइम को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'वो तो होगा ही, लेकिन मैं इसके बारे में भी चिंतित नहीं हूं क्योंकि मुझे लगता है कि दिन के अंत में आपको यह समझना होगा

अब तक दो बार उड़ चुकी है रकुल की शादी की अफवाह, फेक खबर सुनकर ऐसा था अभिनेत्री का रिएक्शन

बॉलीवुड के अधिकांश सेलेब्स अपने रिश्तों को गुप्त रखना चाहते हैं। हालांकि, बाकियों से इतर रकुल प्रीत सिंह बॉयफ्रेंड जैकी भगनानी संग अपने रिलेशनशिप को पब्लिक कर चुकी हैं। अब रकुल ने इस बात का खुलासा किया है कि आखिर क्यों वे अपने रिश्ते को छुपाना नहीं चाहते थे। एक नए इंटरव्यू में अभिनेत्री ने यह स्पष्ट किया कि वह अपना जीवन खुलकर जीना पसंद करती है और इस तथ्य को छिपाने का कोई इरादा नहीं है कि वह जैकी के साथ अपने जीवन के सबसे खूबसूरत अध्याय का आनंद ले रही है।

साल 2021 में ऑफिशियल किया था रिश्ता

बता दें कि 2021 में कपल ने सभी को चौंका दिया जब जैकी ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए रकुल को जन्मदिन की बधाई दी और उन्हें अपनी दुनिया बताया था। तस्वीर में कपल हाथ पकड़े नजर आ रहा था और यह उनके रिश्ते को ऑफिशियल करने के लिए काफी था। सोशल मीडिया की घोषणा ने उनके लव लाइफ को लेकर चल रही अटकलों पर भी विराम लगा दिया था। दोनों अब आधिकारिक रूप से कपल हैं। ऐसे में अक्सर रकुल और जैकी की शादी के कयास लगाते रहते हैं।

दो बार उड़ चुकी है शादी की अफवाह

लगातार अफवाहों के बारे में बात करते हुए उन्होंने मजाक में कहा कि लोग अब तक उनकी दो बार शादी करा चुके हैं। सबसे पहले, यह पिछले साल दिसंबर में और फिर इस साल की शुरूआत में फरवरी में हुआ था। हालांकि रकुल इन मीडिया रिपोर्ट्स को अच्छी भावना से लेना पसंद करती हैं। अभिनेत्री के मुताबिक कि वह इसे केवल हंसी में उड़ा देती हैं, लेकिन रकुल इतने विश्वास के साथ छपि मीडिया रिपोर्ट्स को देखकर अक्सर हैरान भी रह जाती हैं।

इस फिल्म के प्रचार में हैं बिजी

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान रकुल ने खुलासा किया कि जैकी भी ऐसी ही सोच रखते हैं। उन्होंने कहा कि वे किसी रिश्ते को छुपाने में यकीन नहीं रखते। वर्क फ्रंट की बात करें तो रकुल प्रीत सिंह अपनी नई फिल्म 'आई लव यू' के प्रचार में इन दिनों व्यस्त हैं। 16 जून को यह फिल्म ओटीटी रिलीज हुई थी।

'टीकू वेड्स शेरू' की रिलीज से पहले कंगना रणौत को याद आए इरफान खान, एक्ट्रेस ने

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रणौत इन दिनों बतौर निमार्ता अपनी अपकमिंग फिल्म 'टीकू वेड्स शेरू' के प्रमोशन में बिजी हैं। वह लगातार फिल्म की स्टारकास्ट नवाजुद्दीन सिद्दीकी और अवनीत कौर के साथ इसका प्रचार कर रही हैं। वहीं, फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेत्री ने दिवंगत अभिनेता इरफान खान को याद किया है, क्योंकि इससे पहले इस फिल्म की कहानी उन दोनों पर फिल्माई जानी थी। कंगना रणौत ने आज रविवार, 18 जून को अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम स्टोरीज पर दिवंगत अभिनेता इरफान खान के साथ अपनी पुरानी तस्वीर साझा की। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'हम टीकू और शेरू होने वाले थे। आज जबकि हम इसकी रिलीज के इतने करीब खड़े हैं, एक अभिनेता के रूप में इरफान साहब के आकर्षण, हास्य और उदारता को बहुत याद कर रहे हैं।ह्व

इससे पहले फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर भी अभिनेत्री ने इस बात का खुलासा किया था। उन्होंने अपने प्रोडक्शन 'टीकू वेड्स शेरू' के ट्रेलर लॉन्च पर कहा था कि ऐसा लगता है कि मैं एक और शुरूआत कर रही हूं। यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है, क्योंकि मैंने अभी तक किसी को नहीं बताया है, लेकिन यह फिल्म पहले लॉन्च हुई थी। कई साल पहले, लगभग छह-सात साल पहले, इरफान सर और मैं यह फिल्म कर रहे थे। हमने मीडिया को आमंत्रित किया था और यह एक बड़ा लॉन्च इवेंट था। उस समय फिल्म का नाम 'डिवाइन लवर्स' था। दुर्भाग्य से उसके बाद मेरे निर्देशक बीमार पड़ गए और फिर हमने इसे अगले दो साल बाद बनाने की कोशिश की, लेकिन यह कभी नहीं हुआ।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com ,